हम करसकते हैं

कक्षा-आठवीं

विषय-हिंदी

पाठ-1

पाठ का नाम- हम करसकते हैं

PPT-1

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

कवयित्री परिचय

श्रीमती सुनीता यादव का जन्म 23 फरवरी , 1973 को भोपाल में हुआ। इन्होंने हिंदी में एम . ए . किया। इन्होंने कविता , कहानी एवं समीक्षा संबंधी लेखन किया।' कविता प्रसून ' साहित्यिक अकादमी के सहयोग से प्रकाशित हुई। इनकी अनेक बालोपयोगी रचनाएँ भी प्रकाशित हो चुकी है।

पाठ प्रवेश- चलते रहना ही जीवन का काम है क्योंकि अगर जीवन में कभी असफल हो तो हार नहीं माननी चाहिए। हमें हर समय कर सकते हैं की भावना रखनी चाहिए। जिंदगी में आपको कभी भी हार नहीं माननी चाहिए क्योंकि आप नहीं जानते कि आपकी अगली ही कोशिश आपके लिए कामयाबी के दरवाज़े खोलने जा रही हो। हो सकता है आप कामयाबी के बिलकुल करीब हों और तभी आपका मन सबसे ज्यादा घबरा रहा हो , तो घबराना नहीं है और प्रयास करते रहना है।

संबंधित प्रश्न –

१. जीवन का क्या काम है?

२. २. जीवन में कभी हार नहीं मानना चाहिए, क्यों?

३. ३. जीवन में------ नहीं चाहिए और --------- करते रहना चाहिए।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

कविता का सारांश -' हम कर सकते हैं।' हमेशा बोलना चाहिए कि - मैं कर सकता हूँ। जिस प्रकार चींटी हरदम चलती रहती है , अपने ताकत से अधिक ढोती है। मछली दिनभर दौड़ लगाती है। इसीलिए जीवन में कभी भी हार न मानकर आगे की ओर बढ़ते रहना चाहिए।

गृहकार्य - पाठ को पढ़कर कठिन शब्दों को रेखांकित करना।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP